भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1538 का उत्तर

बुंदेलखंड में अधूरी/लंबित रेल परियोजनाएं

1538. श्री उज्जवल रमण सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के अनेक राज्यों में अनेक रेल परियोजनाएं पिछले कई वर्षों से अधूरी/लम्बित पड़ी हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बुन्देलखण्ड में अनेक परियोजनाएं वर्षों से निधियों की कमी के कारण लम्बित हैं, जिसके कारण अधूरी परियोजनाओं पर कार्य गति नहीं पकड़ पा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पूर्ण किये जाने वाले प्रस्तावित अधूरी परियोजनाओं में मानिकपुर-इलाहाबाद मार्ग पर 11 समपारों पर अंडर ब्रिज का निर्माण, बांदा-मानिकपुर मार्ग पर पांच स्टेशनों पर रंगीन लाइट सिग्नल की स्थापना, खैराडा-इंगोहटा मार्ग पर 18 भूमिगत सड़क पुलों का निर्माण, हमीरपुर-घाटमपुर पुल का पुनर्निर्माण तथा रेलवे ट्रैक को ऊंचा करना शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन अधूरी/लम्बित रेल परियोजनाओं के कब तक पूर्ण होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

बुंदेलखंड में अधूरी/लंबित रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री उज्जवल रमण सिंह के अतारांकित प्रश्न सं. 1538 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल परियोजनाएं क्षेत्रीय रेलवे के अनुसार स्वीकृत/निष्पादित की जाती हैं, न कि राज्य-वार/जिला-वार/क्षेत्र-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के पार फैली हो सकती हैं।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति की अनुसार, बुंदेलखंड सहित पूरे भारतीय रेल में, लगभग 7.44 लाख करोड़ रु कुल लागत वाली, कुल 44,488 किलोमीटर लंबाई की 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएं, (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में है, जिसमें से 12,045 किमी लंबाई कमीशन की जा चुकी है और मार्च, 2024 तक 2.92 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का ज़ोन-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध कराया गया है।

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएओं के लिए औसत वार्षिक आवंटन नीचे दिया गया हैं:

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आवंटन के संबंध में वृद्धि
2009-14	11,527 करोड़/वर्ष	-
2024-25	68,634 करोड़	लगभग 6 गुना

भारतीय रेल में नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों को कमीशन करने का ब्यौरा नीचे दिया गया है -

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग में वृद्धि
2009-14	7,599 किमी	4.2 किमी प्रति दिन	-
2014-24	31,180 किमी	8.54 किमी प्रति दिन	दो गुना से अधिक

2023-24 में, बुंदेलखंड सहित भारतीय रेल में 5,309 किलोमीटर खंड को कमीशन किया गया हैं।

इसके अलावा, बुंदेलखंड क्षेत्र से गुजरने वाली प्रमुख परियोजनाओं जैसे झांसी-खैरार-मानिकपुर-भीमसेन दोहरीकरण (900 करोड़ रुपये), झांसी-मथुरा तीसरी लाइन (366 करोड़ रुपये) और ललितपुर-सिंगरौली नई लाइन (850 करोड़) में वित्त वर्ष 2024-25 में भी पर्याप्त बजट आवंटन प्रदान किया गया है। झांसी मंडल के बांदा-मानिकपुर खंड में रंगीन प्रकाश वाली सिगनल की व्यवस्था पहले से ही की जा चुकी है।

किसी भी रेल परियोजना (परियोजनाओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन स्वीकृति, लागत में भागीदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत में हिस्सेदारी जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, उल्लंघन करने वाली सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना (परियोजनाओं) के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

समपार के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों को स्वीकृत करना भारतीय रेल की एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा, रेलगाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर चरणों में किया जाता है। मानिकपुर-इलाहाबाद खंड पर 11 समपार और झांसी-खैरार-इगोहाटा खंड पर 18

समपार हैं, जिनमें क्रमश से मानिकपुर-इलाहाबाद में 01 अदद निचले सड़क पुल और झांसी-खैरार-इगोहाटा खंड में 15 ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल का कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य योजना, अनुमान और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

भारतीय रेलों में रेल पुलों के निरीक्षण की एक सुस्थापित प्रणाली है। सभी रेल पुलों का वर्ष में दो बार निरीक्षण किया जाता है, एक मानसून के आरंभ होने से पहले और एक मानसून के बाद विस्तृत निरीक्षण। इसके अलावा, कुछ रेलवे पुलों का उनकी हालत के आधार पर अधिक बार निरीक्षण भी किया जाता है। रेल पुलों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण/पुनरुद्धार/पुनर्निर्माण एक सतत् प्रक्रिया है और ये कार्य उनके निरीक्षणों के दौरान पता लगाई गई उनकी वास्तविक हालत के आधार पर किया जाता है। अनुमत गति पर गाड़ियों के आवागमन के लिए हमीरपुर-घाटमपुर खंड में सभी रेलवे पुल सुरक्षित हैं।

******